Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866



# मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

01 जुलाई 2026

वर्ष - 04, अंक - 09 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866


Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

### मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव नीमच में 3949 करोड से अधिक के विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

# नीमच बन रहा ग्रीन पावर का ग्लोबल कैपिटल - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

# भादवा माता मंदिर में विकास कार्यों के लिए 17 करोड़ की योजना मंजूर

नीमच 29 जून (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी की उपस्थिति में नीमच में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से 2080 करोड़ रूपये की लागत के 500 MW वाट नीमच एवं 450 MW शाजापुर सोलर पार्क का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने 1553.98 करोड़ रूपये लागत के 38 उद्योगों एवं अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को सौगातें भी दीं। मुख्यमंत्री जी ने सोलर पावर यूनिट एवं उद्योग स्थापित करने वाली कंपनियों के धानुका बायोटेक नीमच एवं बाबजी ग्रुप नीमच के नव निवेशकों व पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विभिन्न योजनाओं के 9 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इसके पहले मुख्यमंत्री जी ने विभागों और उद्योगो द्वारा लगाई गई विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही जिले में चलाए गए पिंक अभियान के तहत छात्राओं को निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस और हेलमेट भी प्रदान किए। इस मौके पर केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी, प्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशी लाल गुर्जर, विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान, सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपने उदबोधन में कहा, कि नीमच की पावन धरा ने इस प्रदेश को दो मुख्यमंत्री दिए है। नीमच में सूर्य पर आधारित सौलर एनर्जी के बडे प्रोजेक्ट प्रारंभ हो चुके है। नीमच ने प्रदेश में अपनी अलग ही पहचान बनाई है ।

**जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रदेश में नई क्रांति आई है** - मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा, कि देश एवं प्रदेश में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जल संरक्षण का अभियान चल रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रदेश में एक नई क्रांति आई है। जल संरचनाओं के निर्माण पर 10 हजार करोड की राशि प्रदेश में इस वर्ष खर्च की गई है ।

**देश को सबसे सस्ती बिजली नीमच से मिल रही है** - मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा, कि सूर्य आधारित सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन में नीमच प्रदेश में सौर ऊर्जा का हब बन कर उभरा है। नीमच जिले से देश को सबसे सस्ती बिजली 2.14 रूपये प्रति यूनिट नीमच से मिल रही है।

**देश में सबसे तेज गति से रोजगार देने वाला राज्य है मध्यप्रदेश** - मुख्यमंत्री ने कहा, कि बोर्ड परिक्षाओं में भी नीमच ने टापटेन में शामिल होकर, प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए नीमच जिले के छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को बधाई भी दी । मुख्यमंत्री ने कहा, कि प्रदेश में रोजगार आधारित कामो को बढावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। देश में सबसे तेज गति से रोजगार देने वाला राज्य है, मध्यप्रदेश ।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा, कि जावरा से उज्जैन भोपाल तक एक नया फोरलेन बनने वाला है। इसके साथ ही अगले साल तक मंदसौर से भोपाल तक सीधा एक ओर फोर लेन बनने जा रहा है, इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होने कहा,कि गांधी सागर अभ्यारण में जल्दी ही दो ओर चीते लाए जा रहे है। इससे यह क्षेत्र एक नये पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, कि प्रदेश सरकार अगले साल से किसानों को दिन में भी सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध करावाएगी। इससे किसानों को रात्रि में सिंचाई की असुविधाओं से मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, कि किसानों को मिलने वाला 0 प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण को जमा करने की अवधि 31 मार्च की सीमा को हटाकर जून किया जा रहा है। इससे किसान जून माह तक ऋण राशि जमा कर, 0 प्रतिशत ब्याज का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

**भादवामाता के विकास के लिए 17 करोड का नया प्रोजेक्ट स्वीकृत** - मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपने उदबोधन में घोषणा की, कि भादवामाता मंदिर कोरिडोर निर्माण के लिए पूर्व में प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया था, जिसका कार्य लगभग पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, कि भादवामाता में विकास कार्यो के लिए 17 करोड का एक नया प्रोजेक्ट स्वीकृत किया जा रहा है। इससे भादवामाता आने वाले श्रृद्धालुओं को सुविधा होगी ।

**म.प्र.हरित ऊर्जा का पावर हाउस बनकर उभरा है- केंद्रीय मंत्री श्री जोशी** - केंद्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने अपने उदबोधन में कहा, कि ग्रीनको पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट नीमच जिले में बन रहा है। यह देश का सबसे बडा पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट है। उन्होने कहा, कि ग्रीन एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में हम आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ रहे है।

उन्होने देश एवं प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक निर्माण, प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के बारे में प्रदेश की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि म.प्र.हरित ऊर्जा का पावर हाउस बन कर उभर रहा है। उज्जैन में नया एयरपोर्ट बन रहा है। प्रदेश में 18 नये मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो गए है। विधायक श्री परिहार ने मुख्यमंत्री जी को महाराणा प्रताप की तस्वीर भी स्मृति स्वरूप भेट की ।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने नीमच प्रवास के दौरान हवाई पट्टी के सामने नीमच पर आयोजित कार्यक्रम में 3949.84 करोड की लागत के विभिन्न 162 विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 1686.54 करोड के 64 विकास एवं निर्माण कार्यो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा 2263.3 करोड लागत के विभिन्न 98 कार्यो का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा किया गया। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा हितलाभ भी वितरित किये गये।

**मुख्यमंत्री श्री यादव सिंगोली एवं शाजापुर के सौलर पार्क का लोकार्पण किया** - मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने नीमच में आयोजित कार्यक्रम में एमएसएमई विभाग के विभिन्न 20 कार्यो का भूमिपूजन एवं तीन कार्यो का लोकार्पण किया। इनकी कुल लागत 51.67 करोड है। एमपीआईडीसी विभाग के 1430.96 करोड के 10 उद्योगो का भूमिपूजन एवं 71.35 करोड के 5 उद्योगो का लोकार्पण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 9.94 करोड लागत के कुल 6 कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 18.75 करोड के 85 कार्यो, उच्च शिक्षा विभाग के 6.66 करोड के दो कार्यो, लोक निर्माण विभाग भवन के 76.85 करोड के 13 कार्यो, लोक निर्माण विभाग सडक के 168.31 करोड के 7 कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन, विद्युत विभाग के 5.04 करोड के 2 कार्यो का लोकार्पण, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की सिंगोली में स्थापित 500 मेगावाट सौलर परियोजना लागत 550 करोड एवं शाजापुर में स्थापित 1530 करोड की लागत से स्थापित 450 मेगावाट क्षमता के सौलर प्रोजेक्ट का लोकार्पण भी किया। नगरीय निकाय विभाग के 4.72 करोड के दो कार्यो का भूमिपूजन एवं, सेतु निगम द्वारा 25.59 करोड की लागत से निर्मित 4 ब्रीज का लोकार्पण भी समारोह में किया गया।

इस मौके पर संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिह, एडीजीपी उज्जैन श्री राकेश कुमार गुप्ता, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एसपी श्री राकेश व्यास अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकारगण, एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन एवं शहरवासी उपस्थित थे ।

### नीमच पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

# कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी तथा प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला के साथ हेलीकॉप्टर से नीमच पहुंचे। हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, दिलीप सिंह परिहार, अनिरुद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, नगर पालिका सभापति वंदना खंडेलवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रशासन की ओर से एडीजीपी राकेश गुप्ता, संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा और पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक-एक कर जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वे निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

# सीएम के स्वागत से पहले भाजपा में नाराजगी हेलीपैड पर वरिष्ठ नेताओं को रोका

### सांसद-विधायक के हस्तक्षेप के बाद मिला प्रवेश

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सोमवार को नीमच आगमन से पहले भाजपा के भीतर नाराजगी का माहौल देखने को मिला। हेलीपैड पर स्वागत के लिए पहुंचे पार्टी के कई वरिष्ठ एवं आमंत्रित कार्यकर्ताओं को पुलिस और प्रशासन ने प्रवेश नहीं दिया। इससे कार्यकर्ताओं में असंतोष फैल गया और उन्होंने मौके पर ही नाराजगी जताई। जानकारी के अनुसार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महेंद्र भटनागर, संतोष चोपड़ा, सुरेंद्र सेठी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू नागदा सहित बड़ी संख्या में भाजपा के आमंत्रित कार्यकर्ता हेलीपैड पहुंचे थे। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्हें प्रवेश से रोक दिया गया।

कार्यकर्ताओं ने पहले भाजपा के जिला प्रभारी सुभाष पटेल से इस संबंध में शिकायत की, लेकिन तत्काल समाधान नहीं होने पर वे नाराज होकर हेलीपैड से लौटने लगे। इस दौरान कुछ समय के लिए वहां असहज स्थिति भी बन गई ।

मामले की जानकारी मिलने पर सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक दिलीप सिंह परिहार मौके पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने प्रशासन और पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा कर कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर की। इसके बाद आमंत्रित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को हेलीपैड परिसर में प्रवेश की अनुमति दे दी गई। स्थिति सामान्य होने के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वागत कार्यक्रम में भाग लिया। पूरे घटनाक्रम के दौरान हेलीपैड पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और बाद में मामला शांतिपूर्वक सुलझ गया।

# सीएम के दौरे से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता हिरासत में : पुलिस ने जिला अध्यक्ष समेत कई नेताओं को 70 किमी दूर रतनगढ़ में छोड़ा

नीमच । नीमच में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दौरे से ठीक पहले पुलिस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने इन नेताओं को कार्यक्रम स्थल से करीब 70 किलोमीटर दूर जावद विधानसभा क्षेत्र के रतनगढ़ स्थित कांटिया बालाजी के पास ले जाकर छोड़ दिया, जहां कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस नेताओं का दावा है कि उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर नीमच जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपने के लिए जिला प्रशासन से पहले ही समय मांगा था। कांग्रेस का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें न तो मुख्यमंत्री से मिलने का समय दिया और न ही शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत दी। इसी वजह से वे प्रदर्शन की तैयारी में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक दिया।

**कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाए जमीन रजिस्ट्री के गंभीर आरोप** - हिरासत में लिए जाने के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके परिवार पर जमीन विवाद से जुड़े बेहद गंभीर आरोप लगाए। बाहेती ने कुछ रजिस्ट्री के दस्तावेज दिखाते हुए दावा किया कि उज्जैन के बाद अब नीमच जिले में भी मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों के नाम पर जमीनों की बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त की गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उज्जैन में मुख्यमंत्री के परिवार के नाम पर कई प्लॉट और सैकड़ों एकड़ जमीन होने के आरोप पहले से ही लग रहे हैं, और अब नीमच में भी गोविंद यादव, अनंत यादव, सिद्धार्थ यादव, अभय यादव और युवराज यादव के नाम पर जमीनों की रजिस्ट्रियां कराई गई हैं।

**सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम, नहीं पहुंच पाए कांग्रेसी** - पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कांग्रेसी नेताओं को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से काफी पहले ही हिरासत में ले लिया था, जिससे उनका विरोध प्रदर्शन आयोजन स्थल के आसपास भी नहीं पहुंच सका। मुख्यमंत्री के इस पूरे दौरे के दौरान नीमच जिले में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम रहे और सभी संवेदनशील चौराहों व जगहों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

# 11,470 करोड़ की ग्रीनको परियोजना का सीएम ने किया एरियल सर्वे

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नीमच के 500 मेगावाट सोलर पार्क और ग्राम खिमला में निर्माणाधीन ग्रीनको पम्प स्टोरेज परियोजना का एरियल सर्वे कर प्रगति का जायजा लिया। इसके बाद उन्हें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की तकनीकी विशेषताओं, निर्माण कार्य और ऊर्जा उत्पादन क्षमता की विस्तृत जानकारी दी गई। करीब 11,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही 1920 मेगावाट क्षमता की गांधीसागर पम्प स्टोरेज परियोजना देश की सबसे बड़ी परियोजनाओं में शामिल है। इसकी 10,326 मेगावाट प्रति घंटा ऊर्जा भंडारण क्षमता प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के साथ हरित ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह परियोजना मध्यप्रदेश को स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

उन्होंने बताया कि परियोजना में गांधीसागर जलाशय और खिमला में बनाए जा रहे ऊपरी जलाशय के माध्यम से पम्प स्टोरेज तकनीक का उपयोग कर बिजली का उत्पादन किया जाएगा, जिसमें पानी का पुनः उपयोग होने से अतिरिक्त जल की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। परियोजना में 240 मेगावाट की सात और 120 मेगावाट की दो द्वि-दिशात्मक टर्बाइन इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। वर्तमान में निर्माण कार्य में प्रतिदिन तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार और हरित ऊर्जा उत्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, ग्रीनको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मौर्या, सांसद सुधीर गुप्ता, ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, विधायक माधव मारू, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

# प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

**सेशेल्स यात्रा: हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा**

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड़?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

## संपादकीय

### पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

## चिंतन-मनन

### जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

# भारत विकास परिषद सुभाष शाखा, नीमच का दो दिवसीय बाल संस्कार शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

नीमच, 29 जून। भारत विकास परिषद सुभाष शाखा, नीमच द्वारा आयोजित दो दिवसीय बाल संस्कार शिविर उत्साह, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में लगभग 53 बालक-बालिकाओं ने सहभागिता कर भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्य, व्यक्तित्व विकास, योग, शारीरिक गतिविधियाँ, शस्त्र प्रशिक्षण तथा जीवनोपयोगी संस्कारों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह में राष्ट्रीय संत मिथिलेश जी नागर, राष्ट्रीय संत मनोज जी कश्यप, भारत विकास परिषद के प्रांतीय संरक्षक सुनील सिंहल, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, प्रदेश पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष पवन पाटीदार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश 'पप्पू' जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महेंद्र भटनागर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने बच्चों को संस्कारयुक्त जीवन जीने का संदेश देते हुए परिषद के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर सुभाष शाखा के माध्यम से देहदान करने वाले लक्ष्मीकांत दरक श्रीमती उर्मिल दरक का साल एवं श्रीफल देकर अतिथिगण एवं परिषद द्वारा सम्मान किया गया ।

प्रतिक्षण देने वाले गुरुजनों का सम्मान किया गया एवं सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं गिफ्ट दिए गए । शिविर की उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ, सात्विक एवं स्वादिष्ट भोजन, अनुशासित वातावरण तथा सभी कार्यकर्ताओं का समर्पण कार्यक्रम की विशेष पहचान रहा। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी इस आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी पहल बताया।

शाखा अध्यक्ष मनीष गर्ग, सचिव प्रमोद मालू एवं कोषाध्यक्ष अशोक सोनी पूर्व अध्यक्ष ललित राठी ने शिविर की सफलता के लिए परिषद परिवार के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, महिला शक्ति, सहयोगियों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। महिला प्रमुख संध्या राठी, संस्कार प्रमुख पूनम गर्ग एवं मीनाक्षी मालू सहित सभी परिषद सदस्य के योगदान की विशेष सराहना की गई। शिविर संयोजक अशोक सिंहल दीपक ऐरन का शिविर में विशेष योगदान रहा कार्यक्रम में वंदे मातरम राष्ट्रगान का गायन कमल गोपाल गर्ग द्वारा किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन ललित राठी द्वारा किया गया एवं आभार सचिव प्रमोद मालू ने व्यक्त किया । अंत में सभी ने संकल्प लिया कि भारत विकास परिषद सुभाष शाखा भविष्य में भी ऐसे संस्कारमय एवं समाजोपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करती रहेगी ।

# LPG से आधार कार्ड तक के बदल रहे नियम, आज से आप पर पड़ेगा असर..?

नई दिल्ली। नए महीने की शुरुआत के साथ ही नए खर्चे भी सामने आ जाते हैं। लोग महीने की शुरुआत में ही यह तय कर लेते हैं कि पूरे महीने का बजट किस तरह चलाना है। वहीं सरकारी फैसलों की वजह से भी आम आदमी की जेब पर असप पड़ता है। 1 जुलाई से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। एलपीजी सिलिंडर की कीमत, दिल्ली में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की पॉलिसी और कारों की कीमत में भी बड़ा अपडेट होने वाला है।

**LPG सिलिंडर की कीमत में हो सकता है बदलाव** – हर महीने की शुरुआत में एलपीजी सिलिंडरों की कीमत में बदलाव देखने को मिलता है। मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते 1 जून को कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर 53.50 रुपये महंगा कर दिया गया था। हालांकि सरकार ने अब कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर पर कई पाबंदियां हटाने का फैसला लिया है।

**फ्री में अपडेट होगा आधार कार्ड पर ईमेल एड्रेस** – यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) ने आधार पहचान पत्र से जुड़े ईमेल एड्रेस को अपडेट करने के लिए लगने वाली 75 रुपये की फीस को 1 जुलाई से छह महीने की अवधि के लिए माफ कर दिया है। 1 जुलाई, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक आधार मोबाइल एप के जरिए यूजर अपना ईमेल एड्रेस फ्री में अपडेट करवा सकते हैं।

**पासपोर्ट फीस में बढ़ोतरी** – भारतीय विदेश मंत्रालय ने नॉर्मल और तत्काल पासपोर्ट एप्लीकेशन दोनों के लिए सर्विस फीस बढ़ा दी है। यह बढ़ोतरी भारत और विदेश, दोनों जगहों पर प्रोसेसिंग फीस पर लागू होगी। 1 जुलाई से इस आदेश को लागू किया जाएगा। 2012 के बाद से कीमतों सर्विस फीस में किया गया यह पहला बड़ा बदलाव है।

**ITR फाइल करने की समय सीमा** – ITR-1 और ITR-2 नियमों के तहत इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की समय-सीमा 31 जुलाई, 2026 है। यह समय-सीमा व्यक्तिगत टैक्सपेयर्स के लिए है। देर से फाइल करने पर लगने वाली पेनल्टी से बचने के लिए इनकम टैक्स वेबसाइट के जरिए अपना रिटर्न फाइल करने की सलाह दी जाती है। ITR-1 उन लोगों के लिए है जो सैलरी पाने वाले कर्मचारी हैं और जिनकी एकमात्र अन्य आय बैंक से मिलने वाली ब्याज है। जिन लोगों के पास म्यूचुअल फंड/स्टॉक हैं, दूसरा घर है या जो सालाना 50 लाख रुपये से ज्यादा कमाते हैं, उन्हें ITR-2 फॉर्म भरना होगा।

# एमपी में पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के आदेश

**महाधिवक्ता की कानूनी राय के बाद पत्र जारी, कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन होंगे प्रमोशन**

भोपाल । मध्य प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। करीब एक दशक से रुकी पदोन्नति (प्रमोशन) प्रक्रिया अब शुरू होने की तैयारी में है। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने सोमवार को सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को पत्र जारी कर प्रमोशन प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में महाधिवक्ता की कानूनी राय के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने यह कदम मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को लेकर लंबित याचिकाओं के बीच उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि महाधिवक्ता ने वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन की कानूनी राय भेजी है। इसी के आधार पर विभागों को आगे की कार्रवाई करने को कहा गया है।

**क्या है कानूनी राय** – वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने अपनी राय में कहा है कि हाईकोर्ट ने प्रमोशन नियम-2025 पर कोई अंतरिम रोक (स्टे) नहीं लगाई है। पहले राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान अनौपचारिक रूप से प्रमोशन नहीं करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वह न तो कोर्ट के आदेश का हिस्सा था और न ही किसी न्यायिक रिकॉर्ड में दर्ज है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं क्योंकि मामला नए सिरे से सुनवाई के लिए जाएगा। इसलिए सरकार अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग कर सकती है।

**शर्त के साथ हो सकते हैं प्रमोशन** – कानूनी राय में कहा है कि विभागीय पदोन्नति समितियां (DPC) बुलाई जा सकती हैं और प्रमोशन दिए जा सकते हैं, लेकिन ये प्रमोशन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन होंगे। यदि भविष्य में अदालत का फैसला अलग आता है तो उसके अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

सरकार ने बताया- 40% क्षमता पर चल रहा प्रशासन

कानूनी राय में सरकार का पक्ष भी दर्ज है कि लंबे समय से प्रमोशन नहीं होने के कारण उच्च पद बड़ी संख्या में खाली हैं। सरकार का कहना है कि कई विभाग केवल लगभग 40 प्रतिशत स्वीकृत क्षमता पर काम कर रहे हैं। इससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है और निचले पदों पर भर्ती भी अटकी हुई है।

ऐसे में जनहित में प्रमोशन प्रक्रिया शुरू करना जरूरी है। GAD के पत्र के बाद सभी विभाग विभागीय पदोन्नति समितियों (DPC) की तैयारी शुरू कर सकते हैं। हालांकि, अंतिम प्रमोशन आदेश न्यायालय में लंबित मामलों के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। यदि प्रक्रिया शुरू होती है तो लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है।

# बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

भानपुरा । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया जिसका समापन बावड़ी उत्सव के साथ हुआ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन में चयनित नवांकुर संस्थाएं अर्पण सेवा समिति ग्राम उत्थान जन कल्याण सेवा समिति मानस सामाजिक सेवा समिति एवं सेवा भूमि जन कल्याण सेवा समिति द्वारा विगत तीन माह से जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा था जिसमें प्रभात फेरी कलश यात्रा, भूमि पूजन, वृक्ष पूजन, जल स्रोत ,पूजन मानस पाठ ,भजन संध्या दीप, माला देवी गीत एवं जल स्रोतों की साफ सफाई आदि कार्य किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण में ग्राम कैथूली के गणेश मंदिर वाली बावड़ी पर बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो कलश यात्रा से प्रारंभ कर मंदिर पर ध्वजारोहण बावड़ी पर रंगोली कार्यक्रम 251 दीपक जलाकर दीपदान एवं गंगा माता की महा आरती की गई तथा भजन संध्या का आयोजन किया गया एवं परिसर में वृक्षारोपण का कार्य भी हुआ नवांकुर संस्था प्रभारी रामप्रसाद मीणा ने कहा की जल गंगा संवर्धन अभियान का संकल्प से हमें जल संरक्षण हेतु जन आंदोलन बनाना है पानी की एक-एक बूंद कीमती है अगर आज हमने पानी को नहीं बचाया तो कल भविष्य अंधकारमय होगा कार्यक्रम समन्वयक राजेश बैरागी ने कहा जल बचाने हेतु जन भागीदारी और सामूहिक प्रयास जरूरी है जल बचाने की शुरुआत अपने घर और खेत से करनी होगी सामाजिक कार्यकर्ता प्रहलाद सिंह हाडा ने बताया कि ऐतिहासिक दृष्टि से बावड़ी स्वर्गीय सांवर दास जी हाडा द्वारा वर्ष 1608 में निर्माण करवाया गया था तथा सार्वजनिक स्थान और खेतों की मेड़ों पर अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने होंगे पेड़ पौधे जल को सोखते है और धरती के जल स्तर को बनाए रखते हैं कार्यक्रम में रामदयाल मीणा ने कहा की हमे सरकार के प्रयासों के साथ-साथ हमारी जन भागीदारी भी इस अभियान को सफल बनाएगी कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच श्रीमती राजकुमारी जीव राज तिवारी परामर्शदाता जगदीश मिश्रा, ललित प्रजापति, लोकेश कुमार जांगड़े, शिवाजी बंबोरिया एवं अनिल बागड़ी एवं नवांकुर संस्था प्रभारी राम प्रसाद मीणा ,राजेश बैरागी ,रामदयाल मीणा, नितेश चौहान तथा ग्राम सामाजिक कार्यकर्ता बाल सिंह सिसोदिया, प्रहलाद सिंह हाडा, लक्ष्मी नारायण पाटीदार, गिरिराज अहीर, रमेश बैरागी, रामदास बैरागी, देवेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह ,अजय एवं सीएमसीएल डीपी के विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

# घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

**न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।**

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तविकता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

# घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहें कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

# पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

# भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

# इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

**श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।**
**हरण भव भय दारूणम**

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

**वंदे विष्णुं**

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

# जीटो के 10वें यूथ विंग की नीमच में शुरुआत : 30 युवाओं ने ली शपथ, दिव्यांश चौपड़ा बने चेयरपर्सन

नीमच। जीटो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन) एमपीसीजी ज़ोन के अंतर्गत नीमच में 10वें यूथ विंग का भव्य शुभारंभ एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में करीब 30 युवा सदस्यों ने शपथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दिव्यांश चौपड़ा को यूथ विंग का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने युवाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, समाजसेवा से जुड़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की सकारात्मक सोच और ऊर्जा समाज में बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा, जीटो एमपीसीजी जोन के चेयरमैन हितेंद्र मेहता, चीफ सेक्रेटरी दिलीप सी. जैन सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 200 अतिथियों की उपस्थिति रही। नवगठित कार्यकारिणी में दिव्यांश चौपड़ा को चेयरपर्सन, नमन नाहर को वाइस चेयरमैन, सम्यक कोठारी को चीफ सेक्रेटरी, सारांश नागोरी को जॉइंट सेक्रेटरी और रिंकेश चौनड़ा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई ।

## अमरनाथ यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की पहली पूजा

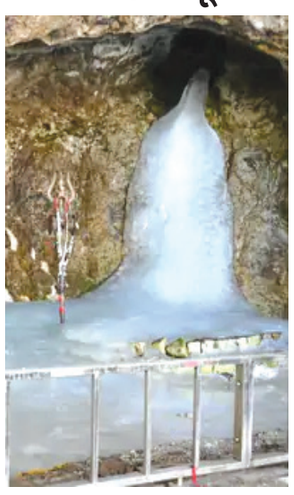

## भारतीय ग्रंथालय संघ के सदस्य आदित्य जैन 'द एरूडाइट एजुकेटर इंटरनेशनल अवार्ड-2026' से सम्मानित

नीमच 30 जून । नगर के प्रतिष्ठित ज्ञानोदय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक आदित्य जैन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित 'शिक्षाविद विद्वान सम्मान' (द एरूडाइट एजुकेटर इंटरनेशनल अवार्ड- 2026) से अलंकृत किया गया है। गत 12 जून 2026 को राजर्षि जनक विश्वविद्यालय, जनकपुरधाम (नेपाल) में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें यह वैश्विक सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, उच्च नैतिक मूल्यों, रचनात्मक कार्यों तथा समाजोपयोगी अकादमिक उपलब्धियों के मूल्यांकन के आधार पर दिया गया है। यह गौरवपूर्ण सम्मान किसी एक संस्था द्वारा नहीं, बल्कि भारत और नेपाल की चार प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में प्रदान किया गया है। इन आयोजक संस्थाओं में राजर्षि जनक विश्वविद्यालय, जनकपुरधाम (नेपाल), अपराजिता फाउंडेशन (नेपाल), जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर (भारत) और गुरु विद्यापीठ (भारत) शामिल हैं। गौरतलब है कि श्री जैन के उल्लेखनीय कार्यों का मूल्यांकन करते हुए पूर्व में जिला प्रशासन नीमच द्वारा भी उन्हें 15 अगस्त 2022 को 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर 'स्वतंत्र लेखक' के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर मित्रों, सहयोगियों और शुभचिंतकों ने बधाई प्रेषित की है।

RBS GROUP OF INSTITUTION
कॉलेज कैम्पस : हर्कियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड़, नीमच (म.प्र.)
Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502
NURSING (नर्सिंग) | MGMT & COMMERC | Computer & IT | SOCIAL WORK | PHARMACY
GNM (नर्सिंग) | BBA | BCA | MSW | D. PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग) | MBA | B.Sc. (cs)
M.Sc. (नर्सिंग) | B.Com (plain) | DCA | EDUCATION
P.B. B.Sc. (नर्सिंग) | B.Com. (Compu.) | PGDCA | D.Ed B.Ed
SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति

RRM Group of Institution
Radhadevi Ramchandra Mangal
Group of Institutions
100% Placement | Courses Offered - | Bus Facility Available
BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW
Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

श्री देव वेल्डिंग वर्कस
आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए
वेल्डर, फिटर और हेल्पर
की तुरंत आवश्यकता है
संपर्क करें:
मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630
पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...
INTRODUCING KNIGHT+
#BuiltToPerform
RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423966, 8770664866

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES
Admission Open 2025-26
धर्मेश तिवारी Director
निरंजन (राजू) तिवारी पूर्व अध्यक्ष - कृषि उपज मंडी समिति, नीमच
MBA 2 Year | B.Pharma 4Year | D.Pharma 2 Year
B.Ed. 2 Year | D.Ed./STC 2 Year | B.Sc. B.Ed. 4 Year | B.A. B.Ed. 4 Year
Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege collegesr90@gmail.com

GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES NEEMUCH (M.P.)
27,000+ Alumni | CELEBRATING 24 years
Admission Announcement 2026-27
A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch
Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students
Highest Package ₹12.75 Lac
730 Placement Offers For Graduates of 2026 as on 5th April 2026
Average Package ₹4.75 Lac
220+ Recruitment Partners
Courses Offered
Pharmacy: D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm
Nursing: B.Sc. Nursing, GNM Nursing, Post Basic Nur.
Management: BBA, MBA, B.Com, M.Com
Engineering: B.Tech (CSE, Elect., Mech, Civil,Fire & Safety), M.Tech (CSE/IEM/ Energy Tech)
Comp. Science: BCA, MCA, B.Sc.(CS), M.Sc.(CS), DCA/PGDCA
Paramedical: BPT, BMLT, DMLT, OT/X-Ray
Agriculture: B.Sc.(Ag), M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)
Education: B.Ed., D.Ed., BA B.Ed.*, B.Sc. B.Ed*
Polytechnic: Electrical, Mechanical, Civil, Comp. Sci.
ITI: Electrician, Fitter, COPA
Science: B.Sc. (PCMBZ/Biotech/ Microbio/CS), M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio.)
Social Work: BSW, MSW
Lib. Science: B.Lib., M.Lib.
Art & Humanities: BA (Plain/ Journalism & mass communication), MA (Hindi/Eng./Psyco./Sociology Political Sci./Eco./Education)
Hotel Mgmt: BHMCT, Hotel Mgmt
Hospital Mgmt: MBA in Hospital & Health Care Management
Ph.D: All Subjects
Diploma Courses: YOGA | Beauty & Wellness, Diet. & Nut.| Fitness Mgmt
For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।